VOL. 40, APRIL - JUNE 2012

IN THE NAME OF GOD

FOR FREE CIRCULATION WITHOUT ANY COMMERCIAL OBJECTIVE

अन्तरध्वनि
The Inner Voice
अन्दर की आवाज़

Simple but Strong जीवन जीने के सरल व सच्चे Reminders

Facebook तो Important है, बेशक

किन्तु

Heart Book ज्यादा important नहीं है क्या?

Laws of life न समझने से
Loss of life कैसे हो रहा है?

ऊपर पहुँचने से पहले, ऊँचा उठना
बहुत जरूरी नहीं है क्या?

दूसरों को analyse नहीं
अपने को realise
क्यों करें?

MISSION CONSCIOUSNESS
GOD bless you
MISSION HAPPINESS

TURN to God
before you
RETURN to God

www.facebook.com/antardhwani

e-mail : contact@missionhappiness.in
visit us at www.missionhappiness.in

DIFFERENCE BETWEEN

मन की आँखे The Metaphysical Eye	तन की आँखे Two Physical Eyes
इससे आत्मा के दर्शन होते हैं।	इनसे पदार्थों (material) के दर्शन होते हैं।
इससे righteousness, 'धर्म' नजर आता है।	इनसे केवल धन दिखता है।
इससे home (घर) दिखता है।	इनसे (building) मकान दिखता है।
इससे **व्यवहार** नजर आता है।	यह केवल **व्यापार** देखती हैं।
इससे रिश्तेदारी **निभाई** जाती है।	इनसे रिश्तेदारी **दिखाई** जाती है।
इनका **प्रेम बाँटने** पर ध्यान होता है।	इनकी **इज्ज़त लेने** पर नजर होती है।
मन की आँखों से **शौर्य** झलकता है।	तन की आँख में **डर** तैरता है।
इनसे जीवन का सत्य नज़र आ जाता है।	यह केवल ऊपरी वस्तुएँ व घटनाएँ देख पाती हैं।
यह श्मशान या कब्रिस्तान से आगे का भी जीवन देख सकती हैं।	**यह केवल श्मशान/कब्रिस्तान तक के जीवन को ही देख पाती हैं।**
इनका infinite vision होता है।	इनका limited vision होता है।
शरीर के सोने पर भी खुली रहती हैं।	सोते समय बन्द हो जाती हैं।

तन की आँखें बन्द होने से पहले **मन की आँखें खुल गई**

तब

Peace + Purity + Prosperity की पक्की गारण्टी

Healthy means
Heal+Thy
(स्वस्थ यानी स्व में स्थित)

W.H.O., विश्व स्वास्थ्य संगठन ने Health की तीन states acknowledge की है।

1. Physical Health शारीरिक स्वास्थ्य – Lowest and Visible
2. Mental Health मानसिक स्वास्थ्य – Middle and Partly Visible
3. Spiritual Health आध्यात्मिक स्वास्थ्य – Highest & Invisible.

Happiness सभी के लिए life का fundamental aim है और happiness - प्रसन्नता आती है good health से।

- **यदि body healthy है तो diseases, disorders नहीं होते।**
- **यदि mind healthy है तो प्रसन्नचित रहते हैं। Irritation and tension free.**
- **यदि soul healthy है तो peaceful रहते हैं। Loving बन जाते हैं।**

Body की health - Mind पर depend करती है।

Mind की health - Soul पर depend करती है।

Soul की health - God remembrance पर depend करती है।

Why,

आजकल analgesics, pain relievers, antibiotic, anti diabetic, anti cancer, anti viral drugs body पर कम effective होती जा रही हैं?

Because

Mind - lower frequency of awareness पर use किया जा रहा है।

Esoteric sciences से यह prove हो जाता है।

Because

आत्मा भूखी और प्यासी है। इसीलिए मन को दुखी करती है और मन शरीर को सताता है।

आत्मा की भूख-प्यास satisfy करने का easiest method है – God remembrance (ईश्वरीय स्मरण)।

God Thanks - God Sorry - God Please Bless More.

So हमारी आत्मा मन को heal करे, मन शरीर को heal करे।

इसी को holistic well being कहते हैं।

God की Party Join करने के Advantages और Symptoms

First of all - Mind calm होने लगता है।

Secondly - Face पर smile लहराती रहती है।

Thirdly - हर छोटी से छोटी activity में भी **mindfulness** बहुत बढ़ जाती है।

Fourth - सभी प्राणी एक जैसे लगने लगते हैं। discrimination disappear होने लगती है।

Fifth - लालच और दुनिया का डर, दोनों ही गायब हो जाते हैं। **(परमात्मा से डरने वाला दुनिया से नहीं डरता)**

Sixth - दिखावटीपन चला जाता है **जैसे अन्दर, वैसे बाहर।** दूसरे भी सहजता से accept and appreciate करने लगते हैं।

Seventh - **काम में रौनक और कमाई में बरकत** आने लगती है।
धन के पीछे नहीं भागना पड़ता।
धन स्वयं पीछे आने लगता है।

Eighth - चालाकी (cleverness) खत्म होते ही **समझदारी** (prudence) का लाभ मिलने लगता है।

Ninth - शिकवा, शिकायतें स्वत: ही समाप्त हो जाती हैं। Gratitude and fulfillment की feelings heart throbbing करने लगती हैं।

Tenth - दूसरों पर ध्यान रखने के स्थान पर **स्वयं के गुणों का विकास करने का मन करने लगता है।**

Self contemplation takes precedence over calumny and illspeaking. लोग ruling party के साथ जुड़ जाते हैं ताकि अपने काम आसानी से करवाए जा सकें।

ज़रा ध्यान दें **God party को (simple remembrance and visualisation of God) join करते ही हमारे कितने काम आसानी से होने लगेंगे ?**

THINK God

THANK God

GET Protected

Mission Happiness®
के

Doctors के साथ Pure and Patients के साथ Pious relations क्यों और कैसे?

WITH PATIENTS

जैसा vision वैसी thoughts वैसी ही feelings, वैसे ही actions.

Patients को medicines से केवल body relief की ही expectations होती है, of course complete and timely.

But, उनके mind के लिए taste, viscosity, fragrance की form में joyfulness का भी प्रबन्ध हो जाता है और body द्वारा bio psycho compatibility, medicine acceptance भी increase हो जाती है।

More over जैसे ही patients, product पर In the name of God, पढ़ते हैं उनको एक spiritual protection and sacred feelings का आभास होने लगता है।

In this way patient की body, mind and soul तीनों को ही सुख देकर, उनकी silent blessings प्राप्त होने लगती हैं।

WITH DOCTORS

Doctors, ईश्वरीय शक्तियों के सर्वाधिक निकट होते हैं। उनके mind में divinity के seed को nourish and flourish करने के लिए life positive, speaking tree, inner voice, तथा God connection के अन्य instruments, regularly offer किए जाते हैं। Material gifts तत्काल तो अच्छे प्रतीत होते हैं।

लेकिन mind का divine होना इस लोक और परलोक दोनो में ही 100% protection provide करता है।

Doctors का I.Q. बहुत ऊँचा तो होता ही है, इसलिए mostly doctors, Mission Happiness की सात्विक भावना व approach को encourage करते हैं।

Tata Consultancy Services (T.C.S.) ने भी business में moral armament का अभियान छेड़ दिया है।

Therefore Mission Happiness के products हों या personalities,

divine energy / positive energy carrier के रूप में develop किए जा रहे हैं।

Chemists souls के लिए भी margin genuine है और **बरकत लाने वाला है।**

Sooner or later सत्यमेव जयते तो होना ही है।

अन्धे ख़्वाबों को उसूलों की तराज़ू दे दे, मेरे मालिक मुझे जज़्बात पे काबू दे दे।
मैं समन्दर भी किसी ग़ैर के हाथों से न लूं, एक कतरा भी समन्दर है, अगर तू दे दे।

क्या परमात्मा है?

Is God there?

एक व्यक्ति सैलून में hair cutting करवा रहा था। वह व्यक्ति जिन्दगी को खोजने और शौक से सात्विक जिन्दगी जीने का शौकीन था। उसने बाल कटवाते समय barber से पूछा कि क्यों भाई, **क्या परमेश्वर होता है?** Barber ने बड़ी उदासीनता व कुण्ठाग्रस्त होते हुए कहा कि आज के समय में परमात्मा है ही कहाँ? **नज़र ही नहीं आता। यदि परमात्मा होता तो चारों तरफ झूठ, मक्कारी, बेईमानी, क्लेश, बीमारियाँ इत्यादि क्यों होती?** Barber ने पूछा, आप बताइए, क्या परमेश्वर है? उस व्यक्ति ने barber की बात चुपचाप सुनी, काम पूरा होने पर payment किया और बाहर चला गया। वह व्यक्ति परमेश्वर के होने या न होने का सबूत ढूंढ रहा था।

अचानक, उस व्यक्ति ने एक बूढ़े भिखारी को देखा। उसकी दाढ़ी, मूंछ, बाल बहुत बढ़े हुए थे। वह व्यक्ति जल्दी से barber shop में दोबारा गया और barber को बोला, यदि परमेश्वर नहीं है तब संसार में ढेरों मुसीबत हैं, यह तुम कह रहे हो। बाहर आकर देखो, तुम्हारे जैसे **अच्छे barber के होते हुए भी, वह भिखारी बड़े-बड़े, बालों को लिए क्यों घूम रहा है? तुम तो हो, फिर उसके बाल बड़े क्यों है?** Barber answerless था। फिर बोला वह भिखारी मेरे पास आएगा, या मुझे बुलाएगा तभी तो उसके बाल काटकर उसे सुन्दर बनाउँगा?

उस व्यक्ति ने तत्काल कहा–जी हाँ, यही matter तो भगवान और हमारे बीच है। भगवान है तो, परन्तु हम उसके पास जाते नहीं हैं, न ही उसे बुलाते हैं, इसलिए, सुख, शान्ति, शक्ति, प्रसन्नता, पवित्रता जो हमारे पास होनी चाहिए, परमात्मा से हम पाते नहीं हैं।

Temporary Income
या
Permanent Wealth

really
क्या हमारी choice फायदेमंद है?

Money
रूपी temporary income
के लिए

Mind
रूपी permanent wealth
की value क्यों घटा रहे हैं?

सबके माता–पिता कहते आये हैं कि भाई आज शौक से रहो, लेकिन **कल के लिए भी कुछ बचा के रखना।** sensitive will immediately understand that - This body needs money no doubt about it, but more important is **money किस source से आ रही है। Means are more important than ends.**

Body के समाप्त होते ही money की value समाप्त हो जाएगी।

But mind समाप्त होने वाला नहीं है।

Soul + Mind is our real wealth - Body की death के बाद भी Soul + Mind ने रहना है।

हम, थोड़ा सा, ध्यान से आँखें बन्द कर, contemplate करें, सोचें, कि
temporary money के लिए permanent mind की value क्यों कम कर रहे हैं?

Then (God) Universe के laws को समझने से clear हो जाता है कि **greed या forcibly ज़्यादा desire करने से money stable नहीं रहती है।**

Unstable money, mind को unstable कर जाती है। In April 2012 - In Gurgaon 32 highly paid executives in their twenties and thirties ने suicide कर लिया?

उनका monthly package 3.5 lakhs to 7 lakhs तक था।

Money was in their bank, but mind was bankrupt.
This is a wake up call for all of us.

हिन्दू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, सभी धर्मशास्त्रों में आश्वासन दिया गया है कि
हमारे कर्मों का फल, भाग्य, न कोई छीन सकता है, न ही ज्यादा दे सकता है।

Then, laws of life defy करके loss of life क्यों करें?

Revolution in Life Style
जीवन में जादू

"शरीर की मृत्यु" के स्मरण से लाभ

Vision (सोच) दो प्रकार की होती है।

छोटी सोच - Myopic Vision

बड़ी सोच - Metavision

छोटी सोच से बड़ा नुकसान निश्चित है। ◆ बड़ी सोच से नुकसान छोटा ही होगा।

For Example

छोटी सोच का प्राणी शत्रु से बहुत डरता है।

Rather, पहला तो यह नुकसान कि छोटी सोच से ही शत्रु उत्पन्न हो जाते हैं। बड़ी सोच से firstly तो शत्रु उत्पन्न ही नहीं होते। यदि हो भी जाएं तो उनसे पूरा-पूरा लाभ लिया जा सकता है। यदि चोर रूपी शत्रु का भय न हो तो घर की security कैसे की जाएगी।

Apparent डर तो चोरी का होता है, किन्तु घर की security करने से **परोक्ष में अनेक फायदे हो जाते हैं।**

Similarly

मृत्यु का स्मरण निरन्तर करने से, (छोटी सोच से तो हम डरेंगे), जीवन के एक-एक पल का रस चूसा जा सकता है। अपने को body समझ लेने की इतनी practice करवा दी गई है कि body की death को ही अपनी death मान बैठते हैं।

Remembrance of death of the body

झूठ बोलने का मन ही नहीं करेगा। **झूठ बोलना डर की सबसे बड़ी निशानी होती है।**

इसलिए courts में भी dying declarations को हमेशा authentic सत्य माना जाता है।

झूठ बोलने वालों की कोई इज़्ज़त भी नहीं होती।

So remembrance of death of the body makes us TRUTHFUL & ULTIMATELY FEARLESS.

Is it not a profound & profitable bargain?

Published by MISSION HAPPINESS. Ph. : 9837032053. e-mail : contact@missionhappiness.in website : www.missionhappiness.in Printed by : CANNON